सिलेंडर के लिए जनसुनवाई में गुहार

- आवेदक बोले निर्धारित समय के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर
- कहा जा रहा ज्यादा पैसो दो, नहीं तो सात दिन बाद आओ

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। जिले में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत दिन प्रतिदिन बड़ती जा रहीं है, जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं बार-बार एजेंसी और गोदाम के चक्कर काटने के बाद भी उपभोक्ता को सिलेंडर नहीं मिल रहे है। जिसके चलते अब वह जिले के मुखिया की चौखट पर पहुंचकर सिलेंडर दिलवाने की गुहार लगा रहे है।

ऐसे ही दो उपभोक्ता मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और निर्धारित समयावधि में

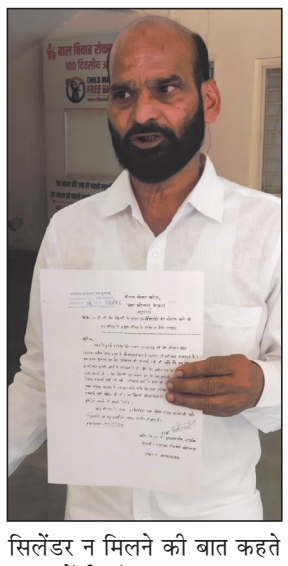

सिलेंडर न मिलने की बात कहते हुए एजेंसी संचालक द्वारा ज्यादा पैसों दिये जाने के बाद ही सिलेंडर देने का आरोप लगाते हुए अपने-अपने आवेदन सौंपे।

जनसुनवाई में पहुंचे आकाश कुशवाह ने बताया कि उसकी माँ कामता बाई द्वारा 13 मार्च को गैस सिलेंडर बुकिंग किया गया था, लेकिन आज दिनांक तक उसके यहां सिलेंडर नहीं पहुंचा, जिसके चलते उसने सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी से लेकर गोदाम के चक्कर लगाए, लेकिन उसे सिलेंडर नहीं मिला। वहीं अन्य आवेदक ने बताया कि एक सिलेंडर के बदले उससे 17 सौ रूपये की मांग की गई।

ज्यादा पैसो दो, नहीं तो सात दिन बाद आओ: आवेदक ने बताया कि बार बार चक्कर काटने के बाद जब उसे सिलेंडर नही मिला तो उसने जानकारी जुटाई,जिसके बाद उसे बताया गया कि सिलेंडर चाहिए तो ज्यादा पैसे दो तब मिलेगा। इसके अलावा उसने बार बार निवेदन किया तो उसे 7 बाद आने की बात कही है।

सिलेंडर के मांग रहा 1700 रूपये

कलेक्ट्रेट पहुंचे पाराशर मोहल्ला निवासी अशोक जैन पुत्र कुन्दनलाल जैन ने बताया कि वह विगत तीन दिनों से सिलेंडर के लिए परेशान हो रहे है। जिसके चलते उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। वहीं खाद्य अधिकारियों के आश्वासन के बाद भी एजेंसी द्वारा आज तक उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया गया। वहीं सिलेंडर सप्लाई करने वाले व्यक्ति द्वारा एक सिलेंडर के बदले 1700 रूपये की मांग की गई, जब नहीं दिये तो उसने सिलेंडर भी दिया।

आध्या भाटी ने साधा सटीक निशाना

भैरुंदा. बीते दिनों भोपाल में आयोजित इंडिया ओपन शूटिंग में ग्राम सोंठिया की 12 वर्षीय होनहार खिलाड़ी आध्या सिंह भाटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए अपनी बना ली. 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में आध्या ने अपनी एकाग्रता और सटीक निशानेबाजी का लोहा मनवाया. इस कड़े मुकाबले में कुल 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से अधिकांश आध्या से उम्र में काफी बड़े और अनुभवी थे. इसके बावजूद, नन्हीं आध्या ने दबाव को पीछे छोड़ते हुए 337 अंकों का प्रभावशाली स्कोर खड़ा किया. विशेष बात यह रही कि आध्या ने अपने कुल 40 शॉट्स में से लगभग एक-तिहाई शॉट सीधे 10 पॉइंट पर लगाए. आध्या ने महज 10 वर्ष की आयु से अपने बड़े भाई के साथ इस खेल की शुरुआत की थी.

पानी पर बवाल, कर्मचारी के साथ मारपीट

जलप्रदाय ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी से मारपीट

आक्रोशित नपाकर्मियों ने थाने में कराया प्रकरण दर्ज

नवभारत न्यूज

सीहोर 17 मार्च. शहर में गहराते जल संकट के बीच अब पानी को लेकर विवाद भी सामने आने लगे हैं. मार्च में ही जलस्त्रोतों के जवाब देने और गिरते भू-जल स्तर ने हालात चिंताजनक बना दिए हैं. नगर पालिका द्वारा पानी की सप्लाई दो दिन छोड़कर किए जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है, जिसका असर अब सामाजिक तनाव के रूप में भी दिखने लगा है. इसी कड़ी में बड़ियाखेड़ी में जलप्रदाय ड्यूटी पर तैनात नगर पालिका कर्मचारी के साथ मारपीट की घटना सामने आई है.

जानकारी के अनुसार, नगर पालिका कर्मचारी पूनमचंद ट्यूबवेल के माध्यम से क्षेत्र में पानी की सप्लाई कर रहे थे. इसी दौरान स्थानीय निवासी निखिल वहां पहुंचा और अपनी गली में पहले पानी चालू करने की मांग करने लगा. इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई. आरोप है कि निखिल ने कर्मचारी के साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर दी. पीड़ित पूनमचंद ने कोतवाली थाने में दिए आवेदन में बताया कि आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी और दबाव बनाया कि पहले उसकी लाइन चालू की जाए, अन्यथा परिणाम भुगतने होंगे.

घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका के अन्य कर्मचारियों में रोष फैल गया. बड़ी संख्या में नपाकर्मी कोतवाली थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. नगर पालिका प्रशासन ने शासकीय कार्य में बाधा डालने और कर्मचारी के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

सीहोर. शहर की प्राणदायिनी कहलाने वाली सीवन नदी सूखकर मैदान में तब्दील हो गई है. इसका असर आसपास के बोर पर भी पड़ा है.

आवेदनों के निराकरण में कोताही न बरतें अधिकारी

नवभारत न्यूज

बैतूल, 17 मार्च. जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याएं गंभीरता पूर्वक सुनीं।

इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में कुल 124 आवेदन प्राप्त हुए। सीईओ श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम दुनावा निवासी अमिता सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से बताया कि ग्राम दुनावा में मुलताई रोड पर उनका नीजी ढाबा है, जिसका किरायानामा समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद सुजीत

> जनसुनवाई में ग्राम शेरगढ़ निवासी सद्दू सूर्यवंशी ने सीमांकन करने के लिए आवेदन दिया, जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने प्रभात पट्टन तहसीलदार को आवेदक की समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। सारणी पाथाखेड़ा निवासी सामियाबाई विश्वकर्मा ने भूमि पर अवैध कब्जा करने की शिकायत की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने सारणी तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

सूर्यवंशी द्वारा अब तक ढाबा खाली नहीं किया गया है।

प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने मुलताई एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

स्वच्छता जागरुकता शिविर

नवभारत न्यूज

सागर 17 मार्च. नगर निगम के डे-एनयूएलएम प्रकोष्ठ द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं.

अभियान के अंतर्गत शास्त्री वार्ड, वृंदावन वार्ड, सिविल लाइन तथा रामपुरा वार्ड में स्व सहायता समूह की महिला सदस्यों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किए गए. शिविरों में डे-एनयूएलएम के सिटी मैनेजर विक्रम जैन, भागवत प्रसाद पनिका तथा सामुदायिक संघटक श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव द्वारा महिलाओं को स्वच्छता से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गई. शिविर के दौरान स्व सहायता समूह की सदस्यों को आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में सक्रिय और प्रभावी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया. उन्हें घर-घर से निकलने वाले कचरे के पृथकीकरण, कचरे के सुरक्षित परिवहन एवं वैज्ञानिक निष्पादन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया है.

मार्च के साथ अप्रैल माह का मिलेगा राशन

नवभारत न्यूज

टीकमगढ़। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के तहत पात्र व्यक्तियों को मिलने वाले राशन के संबंध में अहम आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के तहत पात्र उपभोक्ताओं को न केवल इस मार्च माह बल्कि अगले अप्रैल माह का राशन भी दिया जाएगा। दरअसल मध्यप्रदेश सरकार की मंशा है कि आपात स्थिति हेतु पूर्व से गोदामों में पड़े गेहूं को खाली करवा दिया जाए ताकि इस नए सीजन के गेहूं के भंडारण में किसी तरह की कोई परेशानी न आए। इसके साथ ही पात्र उपभोक्ताओं को किसी तरह की की परेशानी का सामना न करना पड़े। लेकिन जिले की अनेक राशन दुकान संचालकों द्वारा हितग्राहियों को केबल मार्च माह का राशन दिया जा रहा है। जब कोई उपभोक्ता द्वारा दुकानदार से अप्रैल माह का राशन मांगा जाता है तो उनका कहना रहता है कि अभी मार्च का राशन ले जाओ कुछ दिन बाद अप्रैल का राशन मिल जाएगा।

दरअसल जिले सहित पूरे प्रदेश में गेहूं उपार्जन का कार्य आने वाले दिनों में होना है। चूंकि पहले से ही सभी गोदाम गेहूं से भरे पड़े हैं इसलिए शासन पहले इस गेहूं की उपभोक्ताओं को वितरित करवाते हुए आ रही फसल गोदामों में सुरक्षित रखेगा। उक्त संबंध में खाद्य विभाग ने जिले के सभी राशन विक्रेताओं को पूर्व से आदेश दे दिए हैं। इसके साथ ही निर्देशित किया जा चुका है कि अगर किसी विक्रेता के पास स्टॉक में राशन नहीं है तो वो उसका उठाव सुनिश्चित करे ताकि उपभोक्ताओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

गुना में सुरक्षित नहीं महिला और बुजुर्ग

नवभारत न्यूज

गुना 17 मार्च का। शहर में महिला और बुजुर्गों की सुरक्षा खतरे में है। बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि मंगलवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला से बाइक सवार बदमाशों ने सरेराह सोने की चेन लूट ली और रहवासी क्षेत्र में बाईक दौड़ाते हुए फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक सीमा यादव मंगलवार सुबह करीब 6 बजकर 25 मिनट पर मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। जब वह शारदा स्कूल के पास पहुंची, तभी बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर सीमा के गले से करीब एक तोले सोने की चेन खींच ली, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। इस दौरान जब पीड़िता ने साहस दिखाते हुए अपनी चेन वापस छीनने का प्रयास किया, तो बाइक सवार बदमाशों ने बड़ा छुरा निकालकर उन्हें धमकाया और कैंट की तरफ तेजी से फरार हो गए। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बाइक सवार बदमाश वारदात को अंजाम देते हुए साफ नजर आ रहे हैं। फुटेज से यह भी अंदेशा जताया जा रहा है कि बदमाश पहले से ही इलाके में रेकी कर रहे थे और सही मौके का इंतजार कर रहे थे। घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत कैंट थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

आरोन में फिर दहशत का पर्याय बनी आवारा गैंग

गुना। जिले के आरोन कस्बे में एक आपराधिक गैंग की दहशत इस कदर बढ़ गई है कि एक परिवार के दो सगे भाई अपने दोस्त के साथ घर छोड़कर फरार हो गए हैं। बरबटपुरा, आरोन निवासी पीड़ित मां रिहाना ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित जनसुनवाई में पहुंचकर पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि पिछले एक साल से एक स्थानीय गैंग उसके परिवार को हथियारों के दम पर डरा-धमका रही है और पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

प्रतिदिन जाम से लोग हो रहे परेशान

टीकमगढ़। शहर में बाजार वाले रास्तों पर प्रतिदिन लोडिंग वाहनों के कारण आवाजाही की बाधा होती है। प्रतिदिन देर शाम लोडिंग वाहन बाजार के सभी अंदरूनी रास्तों की बाधित करते हैं। शहरवासियों ने सुधार की प्रशासन से मांग की है। नागरिकों के अनुसार कई व्यापारी सड़कों पर सामग्री फैलते हैं। मार्ग पर ही सामग्री की अनलोडिंग की जाती है। जब तक अनलोडिंग नहीं हो जाती, तब तक बाजार के मार्गों पर आवाजाही बाधित होती है। यदि कोई अन्य चारपहिया वाहन इस दौरान बाजार क्षेत्र से गुजरता है तो जाम लगना तय हो जाता है। वहीं दुकानों का विस्तार भी मुख्य बाजार पर कर दिया जाता है। जिसके कारण बाधा और अधिक बढ़ जाती है।

नरवाई में आग लगाने पर मामला दर्ज

आरोपी ने किसानों को दी जान से मारने की धमकी

नवभारत समाचार सेवा

सिवनी मालवा 17 मार्च अनुविभाग क्षेत्र के शिवपुर थाना अंतर्गत नरवाई (फसल अवशेष) में आग लगाने की एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि 17 मार्च को फरियादी शिवकुमार यादव (32 वर्ष) निवासी शिवपुर ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

> यह घटना एक बार फिर किसानों के बीच बढ़ती आगजनी की घटनाओं को लेकर चिंता को उजागर करती है। प्रशासन द्वारा इस तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

उन्होंने बताया कि उनका खेत भिलाडियाचन्द्रपुरा रोड पर स्थित है, जहां आसपास के खेतों में केशव यादव, जितेंद्र यादव, राधेश्याम यादव एवं शेखर यादव की गेहूं की फसल भी खड़ी हुई है।

ब्यावरा में 10 साल से नहीं अस्थि रोग विशेषज्ञ

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 17 मार्च, का. जिला चिकित्सालय में एक और अस्थि रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति के साथ ही जिला चिकित्सालय में अस्थि रोग विशेषज्ञों की संख्या चार हो गई है, निश्चित तौर पर इससे स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोत्तरी होकर इसका लाभ मरीजों को मिलेगा. वहीं दूसरी और दो हाईवे के संगम स्थल वाले जिले के सबसे बड़े नगर ब्यावरा स्थित सिविल अस्पाताल में लगभग एक दशक से अस्थि रोग विशेषज्ञ के नहीं होने से हड्डी से संबंधित मरीजों को

काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

गौरतलब है कि जिले के ब्यावरा नगर के मध्य से आगरा-मुंबई एवं जयपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग होकर गुजरे है, ऐसे में यहां पर काफी यातायात का दबाव रहता है, आये दिन सड़क दुर्घटनाओं के मामले आते रहते है.

बावजूद इसके स्थानीय सिविल अस्पाताल में करीब दस वर्षो से हड्डी रोग विशेषज्ञ के नहीं होने से सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वालों एवं हड्डी संबंधी मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

ट्रामा सेंटर बनेगा ब्यावरा लेकिन डॉक्टर्स स्टाफ की कमी

बीते दिनों राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार द्वारा ब्यावरा सिविल अस्पताल को ट्रामा सेंटर की स्वीकृति के लिए प्रयास किए गए. लेकिन यहां चिकित्सकों की कमी है. एक दशक से अस्थि रोग विशेषज्ञ नहीं मिला है जबकि दो नेशनल हाईवे यहां से गुजरते हैं और स्वाभाविक रूप से दुर्घटनाओं का औसत यहां अधिक है. प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द शुक्ल 1 मार्च को भोपाल से गुना जाते समय कुछ समय के लिए हाईवे पर रुके थे, मंत्री द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्य संबंधित जानकारी ली थी. स्वास्थ्य विभाग प्रबंधन द्वारा चिकित्सकों एवं स्टॉफ की कमी से अवगत कराया गया था.

गैस संकट घरों में निकलने लगे केरोसिन स्टोव

आधुनिक सुविधाओं को छोड़ लोग पुराने दौर की ओर लौटे

नवभारत न्यूज

सागर 17 मार्च. शहर में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत ने आमजन की जिंदगी पर गहरा असर डाला है. रसोई जैसे जरूरी काम भी अब संकट में घिर गए हैं. हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि लोग आधुनिक सुविधाओं को छोड़कर एक बार फिर पुराने दौर की ओर लौटने को मजबूर हो गए हैं.

करीब दो दशक पहले तक हर घर में इस्तेमाल होने वाले मिट्टी के तेल (केरोसिन) के स्टोव, जो अब तक कोनों में धूल खा रहे थे, वे एक बार फिर रसोई में अपनी जगह बना रहे हैं. शहर के कई हिस्सों से लगातार यह शिकायत सामने आ रही है कि गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं. उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है. कुछ क्षेत्रों में तो सप्लाई पूरी तरह से प्रभावित होने की बात भी सामने आई है, ऐसे में लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या रोजाना भोजन तैयार करने की खड़ी हो गई है. गृहिणियों का कहना है कि गैस खत्म होने के बाद जब नया सिलेंडर समय पर नहीं मिलता, तो घर का पूरा सिस्टम बिगड़ जाता है. छोटे बच्चों वाले परिवारों और कामकाजी लोगों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है.

20 वर्ष बाद बदली तस्वीर, स्टोव फिर बने सहारा

गैस संकट के बीच अब लोग मजबूरी में पुराने विकल्पों की ओर लौट रहे हैं. करीब 15 से 20 साल पहले तक मिट्टी के तेल के स्टोव ही हर घर का मुख्य साधन हुआ करते थे, लेकिन एलपीजी गैस कनेक्शन के विस्तार के बाद इनका उपयोग लगभग बंद हो गया था. अब वही स्टोव, जो वर्षों से बंद पड़े थे, उन्हें साफ कर, ठीक कर, फिर से उपयोग में लाया जा रहा है, कई घरों में तो नए सिरे से केरोसिन स्टोव खरीदे भी जा रहे हैं. शहर के बाजारों में इन दिनों एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है. स्टोव रिपेयर करने वाली दुकानों पर लोगों की भीड़ लग रही है. लोग अपने पुराने, जंग लगे और खराब पड़े स्टोव लेकर पहुंच रहे हैं. स्थानीय दुकानदार जाहिद खत्री ने नवभारत से विशेष बातचीत में बताया करीब 20 वर्ष बाद ऐसे स्टोव दुकान पर सुधारने के लिए आ रहे हैं. पहले यह स्टोव सालों तक कोई पूछता नहीं था, लेकिन अब लोग मजबूरी में उन्हें निकालकर ला रहे हैं, कई स्टोव इतने पुराने हैं कि उनके पार्ट्स भी मुश्किल से मिलते हैं, फिर भी लोग उन्हें किसी तरह ठीक करवाना चाहते हैं. पिछले कुछ दिनों में मरम्मत के काम में कई गुना बढ़ोतरी हुई है और दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रहती है.

कलेक्टर ने जरुरतमंद को दी सहायता

गुना। जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने एक बार फिर मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक जरूरतमंद नागरिक को स्वरोजगार के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराई है। मंगलवार को श्रीराम कॉलोनी निवासी सुनील अहिरवार ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु आर्थिक सहायता की मांग की थी। आवेदक की पारिवारिक और आर्थिक परिस्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाई और तत्काल रेडक्रॉस सोसायटी गुना से 10 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की। स्वयं आवेदक को सहायता राशि का चेक प्रदान किया, ताकि वह अपना रोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सके।

एक नजर में

रोजगार मेले में 198 युवाओं का चयन

सीहोर. युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया गया. रोजगार मेले में अनेक कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं का साक्षात्कार लिया गया तथा योग्यता के अनुसार चयन किया गया. रोजगार मेले में कुल 314 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया तथा 11 कंपनियों द्वारा कुल 198 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया. रोजगार मेले में स्वरोजगार विभागों द्वारा 2 हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए. इसके साथ ही उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत फैब्रिक वर्क के लिए हितग्राही मोहसिन का 5 लाख रुपए का लोन स्वीकृत किया गया. इसी प्रकार पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा हितग्राही आसमा बी तथा हितग्राही राजकुमार के 60 हजार रुपए से अधिक के लोन प्रकरण स्वीकृत किए गए.

जिला स्तरीय सूर्य उपासना कार्यक्रम 19 को

बैतूल। विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को जिला स्तरीय सूर्य उपासना कार्यक्रम शासकीय जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल में प्रात: 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी एवं युवा सहभागिता करेंगे। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला स्तरीय सूर्य उपासना कार्यक्रम को लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका को जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल शासकीय जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय बैतूल में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस विभाग को यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्देशित किया है।

एलपीजी आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

टीकमगढ़। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार घरेलू एलपीजी आपूर्ति की सुनिश्चितता करने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने हेतु टीकमगढ़ जिले में जिला मुख्यालय पर कार्य का सुचारू रूप से संचालन हेतु कार्यालय कलेक्टर नियंत्रण कक्ष टीकमगढ़ में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07683-242242 है। कन्ट्रोल रूम प्रात: 10.30 बजे से सांयकाल 5.30 बजे तक चालू रहेगा। कन्ट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों को प्राप्त करने व निराकरण किये जाने हेतु कंट्रोल रूम प्रभारी अमन गोयल, प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन, टीकमगढ़ के सहयोग में नियंत्रण कक्ष कन्ट्रोल रूम में सलग्न कम्प्यूटर ऑपरेटरों की ड्यूटी लगाई गई है। ज्ञातव्य है कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के परिपालन में पत्रानुसार वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के कारण, आयात में हुई रूकावट को देखते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

अलरजा कुरैशी बने शहर अध्यक्ष

सारंगपुर. राज्यसभा सांसद दिग्विजयसिंह ,पूर्व केबिनेट मंत्री, एवं अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी राजगढ़ प्रियव्रत सिंह खींची, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, आशुतोष चौकसे प्रदेश अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के निर्देश एवं अनुशंसा से एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जगनोहन वर्मा एवं एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष पवन राज ने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के सारंगपुर शहर में अलरजा कुरैशी को शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है. अलरजा कुरैशी की नियुक्ति पर पूर्व विधायक कृष्णमोहन मालवीय, पूर्व नपाध्यक्ष मोहम्मद अली, जिला महामंत्री प्रदीप सादानी, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश सोमानी, शहर अध्यक्ष आबिद लोदी, वरिष्ठ नेता शेख बहादुर, राधेश्याम काका भेसानियां, नेता प्रतिपक्ष इरफान अली शेख जावेद, इमरान अली, महेश सोनी, निजाम कुरैशी, पूर्व पार्षद अखलाक मेव, पूर्व पार्षद रफीक मंसूरी बाबू, अरबाज मेव, आनंद जाधव, मुश्ताक अंसारी, राधेश्याम वर्मा आदि ने बधाई दी.